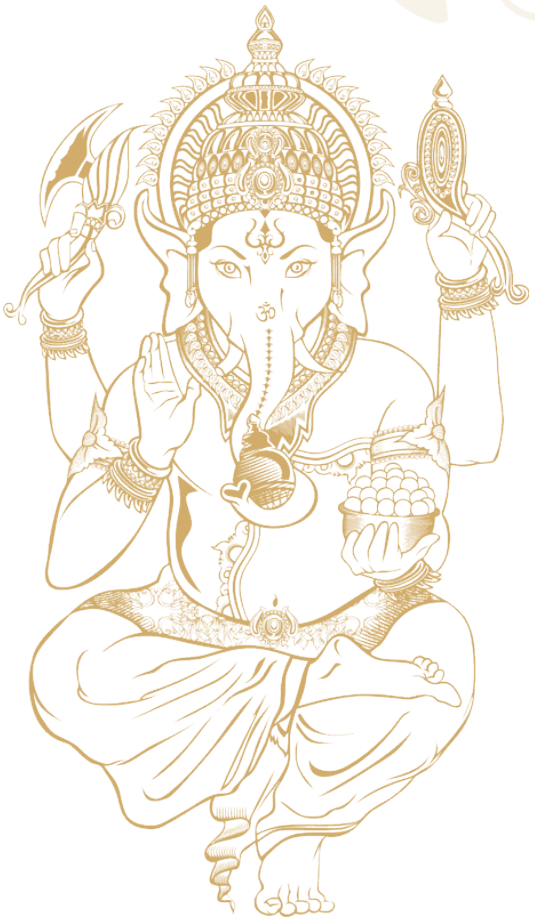

14

02 Dec 1996

10:34 PM

Champawat

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**02/12/1996**
दिन	सोमवार
जन्म समय	**22:34:00 घंटे**
इष्ट	39:26:20 घटी
स्थान	**Champawat**
राज्य	Uttarakhand
देश	India

अक्षांश	29:20:00 उत्तर
रेखांश	80:06:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:09:36 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	22:24:24 घंटे
वेलान्तर	00:10:31 घंटे
साम्पातिक काल	03:11:40 घंटे
सूर्योदय	06:47:27 घंटे
सूर्यास्त	17:10:45 घंटे
दिनमान	10:23:17 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	हेमन्त
सूर्य के अंश	16:59:31 वृश्चिक
लग्न के अंश	29:38:45 कर्क

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	कर्क - चन्द्र
राशि-स्वामी	**सिंह - सूर्य**
नक्षत्र-चरण	**मघा - 4**
नक्षत्र स्वामी	केतु
योग	वैधृति
करण	बालव
गण	राक्षस
योनि	मूषक
नाड़ी	अन्त्य
वर्ण	क्षत्रिय
वश्य	वनचर
वर्ग	मूषक
युँजा	मध्य
हंसक	अग्नि
जन्म नामाक्षर	मे-मेहर
पाया(राशि-नक्षत्र)	रजत - रजत
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	धनु

राजेश जोशी

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			कर्क	29:38:45	308:39:48	आश्लेषा	4	9	चंद्र	बुध	शनि	---
सूर्य			वृश्चि	16:59:31	01:00:51	ज्येष्ठा	1	18	मंगल	बुध	बुध	मित्र राशि
चंद्र			सिंह	11:33:15	11:50:42	मघा	4	10	सूर्य	केतु	बुध	मित्र राशि
मंगल			सिंह	23:27:19	00:28:13	पू०फाल्गुनी	4	11	सूर्य	शुक्र	शनि	मित्र राशि
बुध			धनु	03:28:48	01:27:44	मूल	2	19	गुरु	केतु	सूर्य	सम राशि
गुरु			धनु	24:52:26	00:12:29	पूर्वाषाढ़ा	4	20	गुरु	शुक्र	बुध	स्वराशि
शुक्र			तुला	18:07:07	01:14:26	स्वाति	4	15	शुक्र	राहु	चंद्र	मूलत्रिकोण
शनि	व		मीन	06:47:44	00:00:05	उ०भाद्रपद	2	26	गुरु	शनि	बुध	सम राशि
राहु	व		कन्या	10:47:32	00:03:11	हस्त	1	13	बुध	चंद्र	चंद्र	मूलत्रिकोण
केतु	व		मीन	10:47:32	00:03:11	उ०भाद्रपद	3	26	गुरु	शनि	सूर्य	मूलत्रिकोण
हर्ष			मक	08:00:36	00:02:31	उत्तराषाढ़ा	4	21	शनि	सूर्य	शुक्र	---
नेप			मक	02:02:10	00:01:44	उत्तराषाढ़ा	2	21	शनि	सूर्य	गुरु	---
प्लूटो			वृश्चि	09:29:08	00:02:22	अनुराधा	2	17	मंगल	शनि	शुक्र	---
दशम भाव			मेष	26:32:31	--	भरणी	--	2	मंगल	शुक्र	केतु	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : माध्य

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:48:51

लग्न-चलित

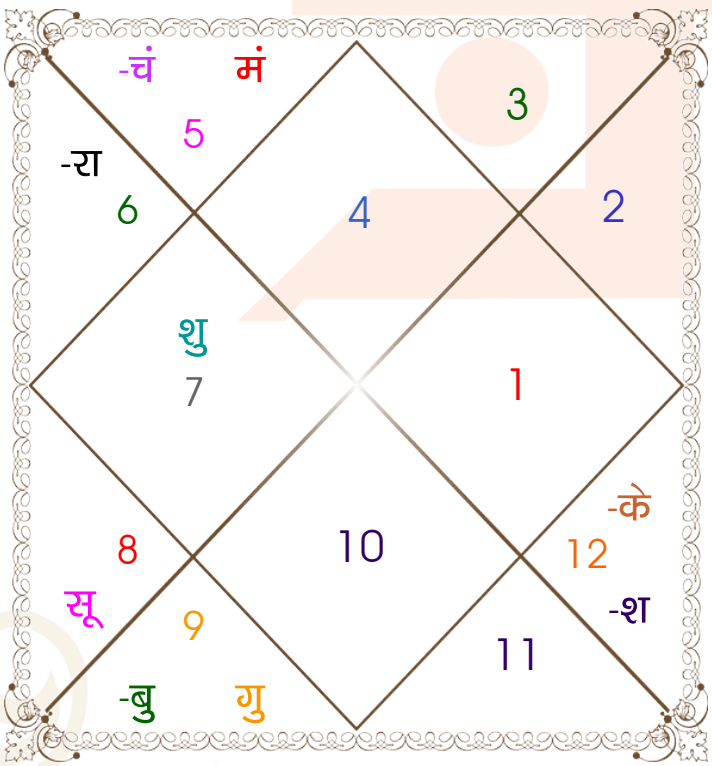

चन्द्र कुंडली

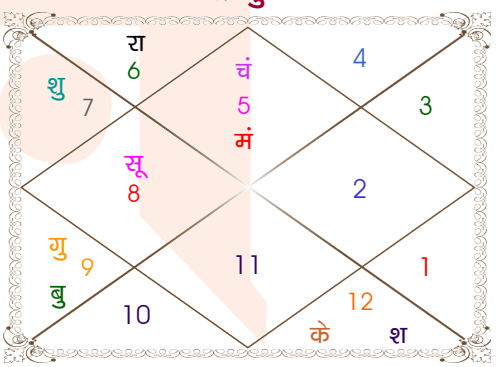

नवमांश कुंडली

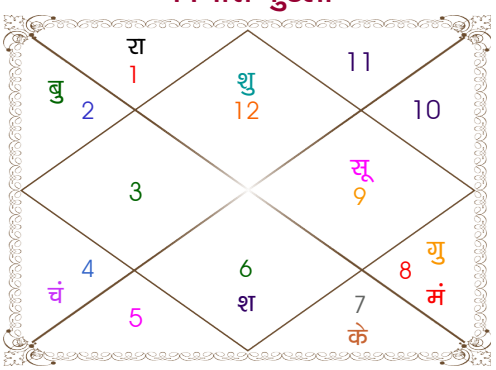

राजेश जोशी

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : केतु 0 वर्ष 11 मास 6 दिन

केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष	
02/12/1996		09/11/1997		09/11/2017		09/11/2023		09/11/2033	
09/11/1997		09/11/2017		09/11/2023		09/11/2033		08/11/2040	
	00/00/0000	शुक्र	10/03/2001	सूर्य	26/02/2018	चंद्र	09/09/2024	मंगल	07/04/2034
	00/00/0000	सूर्य	10/03/2002	चंद्र	28/08/2018	मंगल	10/04/2025	राहु	25/04/2035
	00/00/0000	चंद्र	09/11/2003	मंगल	03/01/2019	राहु	09/10/2026	गुरु	31/03/2036
	00/00/0000	मंगल	08/01/2005	राहु	27/11/2019	गुरु	08/02/2028	शनि	10/05/2037
	00/00/0000	राहु	09/01/2008	गुरु	15/09/2020	शनि	09/09/2029	बुध	07/05/2038
	00/00/0000	गुरु	09/09/2010	शनि	28/08/2021	बुध	08/02/2031	केतु	03/10/2038
	00/00/0000	शनि	09/11/2013	बुध	04/07/2022	केतु	09/09/2031	शुक्र	03/12/2039
	02/12/1996	बुध	09/09/2016	केतु	09/11/2022	शुक्र	10/05/2033	सूर्य	09/04/2040
बुध	09/11/1997	केतु	09/11/2017	शुक्र	09/11/2023	सूर्य	09/11/2033	चंद्र	08/11/2040

राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष	
08/11/2040		09/11/2058		09/11/2074		09/11/2093		10/11/2110	
09/11/2058		09/11/2074		09/11/2093		10/11/2110		03/12/2116	
राहु	23/07/2043	गुरु	27/12/2060	शनि	12/11/2077	बुध	06/04/2096	केतु	08/04/2111
गुरु	15/12/2045	शनि	10/07/2063	बुध	22/07/2080	केतु	03/04/2097	शुक्र	07/06/2112
शनि	21/10/2048	बुध	15/10/2065	केतु	31/08/2081	शुक्र	02/02/2100	सूर्य	13/10/2112
बुध	11/05/2051	केतु	21/09/2066	शुक्र	30/10/2084	सूर्य	10/12/2100	चंद्र	14/05/2113
केतु	28/05/2052	शुक्र	22/05/2069	सूर्य	12/10/2085	चंद्र	11/05/2102	मंगल	10/10/2113
शुक्र	29/05/2055	सूर्य	10/03/2070	चंद्र	14/05/2087	मंगल	08/05/2103	राहु	29/10/2114
सूर्य	21/04/2056	चंद्र	10/07/2071	मंगल	21/06/2088	राहु	25/11/2105	गुरु	05/10/2115
चंद्र	21/10/2057	मंगल	15/06/2072	राहु	28/04/2091	गुरु	02/03/2108	शनि	12/11/2116
मंगल	09/11/2058	राहु	09/11/2074	गुरु	09/11/2093	शनि	10/11/2110	बुध	03/12/2116

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल केतु 0 वर्ष 11 मा 6 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म अश्लेषा नक्षत्र के चतुर्थ चरण में कर्क लग्नोदय काल हुआ-लग्न के साथ-साथ मेदिनीय क्षितिज पर मीन राशि का नवमांश एवं द्रेष्काण भी उदित था। आपके जन्म आकृति से यह निर्देश प्राप्त होता है कि आप में दो प्रकार की विशेषता विद्यमान है। प्रथम तो यह है कि आप आस्तिक विचार धारा के भगवान के प्रति समर्पित प्राणी हैं तथा भगवान से भयभीत रहते है। दूसरा यह है कि आपके मन में धार्मिक तीर्थ-स्थानों का भ्रमण, दर्शन की अभिरूचि रहती है तथा आप दानशील प्रवृति के प्राणी है। आप पूर्ण रूपेण सांसारिक विषयों के प्रति रूचिवान है। आप ऐहिक सुखों के भोग हेतु किस प्रकार धन उपार्जन किया जाए। अर्थात् चाहे जो कुछ भी हों जीवन के अन्तिम किनारे तक सुख भोग एवं आनन्द प्राप्त करें। इसके अतिरिक्त आपको मद्यपान से स्नेह हैं। आप इन दो भिन्न-भिन्न विशेषताओं को किस प्रकार समतल करेगें यह आप ही जानते है।

आप वास्तव में सामंजस्य के विद्यान के ज्ञाता है तथा सामंजस्य स्थापित करते हैं। आप कुशाग्रबुद्धि के प्रशिक्षित विद्वतापूर्ण प्रतिभा सम्पन्न हैं। आप धन प्राप्ति हेतु अनीतिपूर्ण अभिलाषा नहीं रखते।

परन्तु आपकी जन्मजात प्रवृति है कि आपके दिमाग में यह बात रहती है कि किसी भी बातों के सम्बंध में भली प्रकार ज्ञान प्राप्त करें। आप किसी के साथ छल कपट पूर्ण व्यवहार नहीं कर दूसरों के साथ विश्वसनीयता पूर्वक सहयोग एवं सहारा लेकर किसी भी वस्तु को हस्तगत करना चाहिए कि नीति अपनाते हैं।

आपको अपने जीवन में सदैव उत्तम एवं मनोहर आनन्द प्राप्ति की अभिरूचि रहती है क्योंकि कि आप स्वार्थी प्राणी है। इस दृष्टिकोण से आपको विशेषतया सतर्कता अपनाना चाहिए। कम से कम परिवार के सामने अपने व्यक्तिगत महत्वकांक्षा को सीमित रखें। आपको अपनी पति एवं सुसन्तान के प्रति आज्ञाकारी भावनाओं से युक्त समर्पित भाव से सदैव तत्पर रहने से प्रसन्नता की प्राप्ति होगी। अतः आप निश्चित रूप से परिवारिक सदस्यों के सम्बंध की सीमा का उलंघन नहीं करे। आपको घर गृहस्थी द्वारा संयमित सुख साधन प्राप्त होगा। कर्क राशीय प्रभाव से आप वास्तव में अध्ययन तथा मार्गदर्शन कर सकते है। आप अपने निर्देशित शक्ति सम्पन्नता के पथ पर चलकर दूसरों के लिए उदाहरण प्रस्तुत करते हैं।

आपमें यह सामर्थ्य विद्यमान है कि आप कोई भी कार्य कुशलता पूर्वक सम्पन्न कर सकते हैं। आप अपनी तामसी प्रवृति का त्याग कर अथवा अवरूद्ध कर जन सामान्य में प्रसिद्धि प्राप्त करेगे।

आप औसतन लम्बे छरहरे बदन, चेहरा एवं पूर्ण (गाल) कपोल युक्त सुन्दर है। आप समय के महत्व को समझ कर चल सकते हैं और आप बेढंगे चाल चलन को त्याग दें बल्कि दृढ़तापूर्वक शोभनीय आचरण करें। यदि आप अधिक भोजन ग्रहण करते रहे तो आपके शरीर का अपरिमेय वृद्धि हो जाएगा तथा आप एक असामान्य दिखने लगेंगे। आपकी किशोरावस्था में स्वास्थ्य अच्छी रहेगी तथा आप अधिक समय तक मनोहर सुन्दर दिखेंगे।

आपके शरीर का समुचित विकास होगा। कर्क राशीय सिद्धान्त के प्रभाव से आपकी छाती में तथा पेट सम्बंधी रोगों (समस्याओं) के प्रति सावधानी बरतें क्योकि कुछ वर्षों के पश्चात् पाचन क्रिया विकृत होकर आपके सामने दिक्कतें पैदा कर सकती है। साथ ही आप शान्ति पूर्वक जीवन व्यतीत करने की आदत डालें क्योंकि आप एक सुन्दर (प्रसन्न) प्राणी हैं।

आप हिस्ट्रीया रोग, जॉनडिस (पीलिया रोग) एवं जलोदर रोग से प्रभावित तथा आक्रान्त हो सकते हैं। आप सतर्कता पूर्वक नियमित रूप से स्वास्थ्य परीक्षण कराते रहे।

आपके लिए साप्ताहिक दिनों में शुक्रवार एवं शनिवार पूर्ण आनन्द प्रदायक नही होगा। मंगलवार, गुरुवार एवं सोमवार का दिन सफलता प्रदायक होगा। बुधवार का दिन चिन्तनीय एवं व्ययकारी होगा। परन्तु रविवार का दिन सचेत रहने योग्य है।

आप अंक 4 एवं 6 अंक का व्यवहार हेतु (पसन्द) चुन सकते हैं। अंक 3 एवं 5 अंकों का परित्याग करें।

आपके लिए अनुकूल रंग सफेद, क्रीमकलर पीला एवं लाल रंग उत्तम है। कृपया रंग हरा एवं ब्लू रंग के वस्त्रादि धारण नहीं करें।